

स्मृति—पत्र

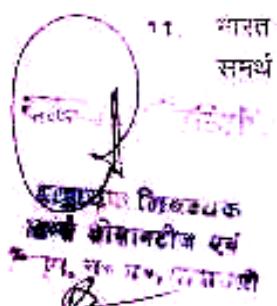
1. संस्था का नाम
2. संस्था का पता
3. संस्था का कार्यक्षेत्र
4. संस्था का उद्देश्य

पं० तीर्थराज चौधे भेमोरियल फालण्डेशन
ग्रा० व पो०- बेला, बोलापुर, जिला-वाराणसी

सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश

इस पुनीत संस्था के उद्देश्य हों—

1. भारती/विदेशी शिक्षा के उन्नयन हेतु प्राथमिक स्तर से उच्च स्तर की शिक्षा हेतु विद्यालय एवं महाविद्यालयों की स्थापना करना एवं विभिन्न विषयों पर शोध कार्य करना।
2. औपचारिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, एजुकेशन शिक्षा, औद्योगिक शिक्षा, प्रजनन शिक्षा, रिलाई-काढ़ई, बुनाई, कलाई, हस्तकला, गृह कला, ललित कला, कूटीर उद्योगपरक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना करना।
3. सदाचार एवं आध्यात्मिक विकास के लिए पुस्तकालय, वाचनालय, ब्रौड स्थल, योगालन, व्याधामशाला, मनोरजन, मनोविज्ञान, केन्द्रों स्थ छात्राचास, अन्यान्य शैक्षिक, समाजिक, साहित्यक, सांस्कृतिक केन्द्र स्थापित करना तथा संचालित करना।
4. अनाथों विकलांगों, नेत्रहीनों, गृणा, मन्दबुद्धि एवं अनुसूचित जाति, आदिवासी, जनजाति, विछली जाति, अल्पसंख्यकों बुनकरों के कल्याण हेतु विद्यालयों की स्थापना करना एवं उनके उत्थान हेतु कार्यक्रमों को संचालित करना।
5. रागाजिक एवं सास्कृतिक कार्य जैसे गांधिजी, परिवाद, कायंशासा, दहेज उम्मूलन, विध्या विवाह, सन्तति निरोध, परिवार कल्याण, पर्यावरण, पशुपालन, बृक्षारोपण, वैश्यावृत्ति उम्मूलन, भूमि संरक्षण, फल संरक्षण, मध्य-निषेध, स्वास्थ्य, कार्यक्रम, आदि के जन्मागत आने वाले सभी कार्य करना एवं करना।
- बाल कल्याण, शुया कल्याण, बुद्धी, महिलाओं के कल्याण हेतु सभी प्रकार के कार्यक्रमों के उत्थान। एवं श्रमिकों व उनके परिवार के सर्वांगीण विकास हेतु कार्यक्रमों का संचालन तथा राचालन करना एवं उनके कल्याण हेतु श्रमिक विद्यार्थी जी की स्थापना करना। भारत के अन्तर्राजा सेप्राय सेनानी, समाजसेविया, सुप्रसिद्ध लेखकों, कवियों, खिलाड़ियों, पत्रकारों, वैज्ञानिकों, राजनेताओं के जन्मान्वितियों तथा वर्ष ग्रन्थियों का सम्मानण आयोगित करना करना।
- खादी ग्रामोद्योग के सम्बन्ध में प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करना, खादी ग्रामोद्योग लोड, खादी ग्रामोद्योग आयोग में आने वाले उद्योगों वा संस्थानों के स्थापना करना एवं प्रशासन-प्रसार करना।
- गारतीय संस्कृति, देश प्रेम, सद्गीयता एवं लोक कल्याणकारी वे सभी कार्य करना एवं करना। जिससे समाज का कल्याण हो सके।
- भारत के भावी नागरिकों को ज्ञान-विद्या की उचित शिक्षा देते हुए लोकतन्त्र के समर्थ ग्रहणी बनाने की घोषणा।



विद्या विद्या
विद्यालय

5. प्रधन्दवगरिणी समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के नाम, पिता, पति का नाम पता, पद एवं व्यवसाय जिनको संस्था के नियमों के अनुसार कार्य भार सौंचा गया है।

क्र.सं	नाम / पिता / पति का नाम	पता	पद	व्यवसाय
1.	प्रौद्योगिकी राजीव शर्मा पुत्र रवि शर्मा	एस. 10/55-16 गीता नगर, हुकुलगंज, वाराणसी	आध्यक्ष	अध्यापन
2.	श्री सुनील कुमार पुत्र रवि श्री बद्रीनारायण	ग्रा० जगदीशपुर, पौ०— चौलापुर, वाराणसी	उपाध्यक्ष	अध्यापन
3.	श्री कन्तेश कुमार धनुर्योदी पुत्र श्री वैद्य धन्योदी	ग्रा० व पौ०— बेला, चौलापुर, वाराणसी	व्यवस्थापक / सचिव	सामाजिक कार्यकर्ता
4.	श्रीमती शमा मिश्रा पत्नी श्री अवधेश कुमार मिश्रा	फ्लाट न० १ हारिगंपुर, लालपुर, वाराणसी	कोषाध्यक्ष	गृहणी
5.	डा० चूधिता विपाठी पत्ना श्री पश्चीम देव	एल. ८/१११ शंखरत्ननगर सिंगरा, वाराणसी	सदस्य	अध्यापन
6.	श्री सजय कुमार सिंह पुत्र रवि श्री शम्भूनारायण सिंह	ग्रा० व पौ०— बवियोंव चौलापुर, वाराणसी	सदस्य	व्यवसाय
7.	श्री गोपाल कृष्ण पाण्डेय पुत्र श्री राजधारी पाण्डेय	सी. १९/१५ ए-१ फ्रामान रोड, वाराणसी	पदेन सदस्य	नौकरी

6. इस निर्मालाध्यक्षता हस्ताक्षरकर्ता उपर्युक्त समृद्धि पत्र एवं संलग्न नियमावली के अनुसार स्वास्थ्यइटी रजिस्ट्रेशन की धारा 21 सन् 1860 के अन्तर्गत पंजीकरण कराना चाहते हैं।



स्वास्थ्य विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार
लखनऊ, २२ नवंबर, १८६०

पंजीकरण
कार्यालय द्वारा